सौहार्द -सौमनस्य

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 35]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) १. | Page 35

कृति पूर्ण करो :

इन बातों में अलग होकर भी हम सब एक हैं -

- _____
- _____

Solution: इन बातों में अलग होकर भी हम सब एक हैं -

- धर्म
- भाषा

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) २. | Page 35

कृति पूर्ण करो :

बगिया की शान -

- _____
- _____

Solution: बगिया की शान -

- फूल
- फल

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 35

कविता (सौहार्द-सौमनस्य) में इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखो :

दीपक

Solution: दीपक - **दीप**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 35

कविता (सौहार्द-सौमनस्य) में इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखो :

पुष्प

Solution: पुष्प - **फूल**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ३. | Page 35

कविता (सौहार्द-सौमनस्य) में इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखो :

तिरस्कार

Solution: तिरस्कार - **नफरत**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) ४. | Page 35

कविता (सौहार्द-सौमनस्य) में इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द लिखो :

प्रेम

Solution: प्रेम - **प्यार**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 35

कविता (सौहार्द-सौमनस्य) में प्रयुक्त विलोम शब्दों की जोड़ियाँ लिखो।

Solution: १. छोटा-बड़ा

२. सिर-पैर

३. नफरत-प्यार

४. एक-अनेक

५. नकद-उधार

भाषा बिंदु [PAGE 35]

भाषा बिंदु | Q (१) | Page 35

सौहार्द-सौमनस्य इस पाठ में आए अव्ययों को पहचानो और उनके भेद बताकर उनका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग करो।

Solution: क्रियाविशेषण अव्यय

१. पास

२. नहीं

वाक्य:

१. वह राजा के पास आई।

२. मैं आपको उत्तर नहीं दूँगी।

संबंधसूचक अव्यय

१. की तरफ

२. के लिए

वाक्य:

१. वह अपने घर की तरफ निकला।

२. दर्शन के लिए वह कतार में खड़ा हो गया।

समुच्चयबोधक अव्यय

१. इसलिए

२. तो

वाक्य:

१. वह भाग गया इसलिए बच सका।

२. पढ़ाई करोगे तो उत्तीर्ण अवश्य हो जाओगे।

विस्मयादिबोधक अव्यय

१. धन्य

२. ठीक

वाक्य:

१. धन्य हो मित्र! तुम जैसा मित्र किस्मत वालों को मिलता है।

२. ठीक है! मैं सारा काम निबटा दूँगा।

उपयोजित लेखन [PAGE 35]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 35

शालेय बैंड पथक के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य से विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते अनुमति माँगते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखो :

दिनांक :
प्रति,
_____
_____
विषय : _____
संदर्भ : _____
महोदय,
विषय विवेचन
_____
_____
_____
आपका/आपकी आज्ञाकारी,
_____
(विद्यार्थी प्रतिनिधि)
कक्षा : _____

Solution:

१५ मार्च, २०१८
प्रति,
प्राचार्य,
शैलेन्द्र विद्यालय,
रावलपाड़ा,
दादर।

विषय: शालेय बैंड पथक की सामग्री खरीदने हेतु अनुमति के संदर्भ में। महोदय,

मैं मनीष शर्मा, कक्षा ९वीं का छात्र होने के साथ ही विद्यार्थी समूह का प्रतिनिधि हूँ। इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान शालेय बैंड पथक में सामग्री की कमी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आवश्यक सामग्रियों की कमी के कारण बैंड पथक के सदस्यों को बहुत परेशानी हो रही है। अत: आपसे निवेदन है कि आप मुझे आवश्यक सामग्री खरीदने की अनुमति प्रदान करें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप बैंड पथक के सदस्यों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द-से-जल्द इस दिशा में निर्णय लेंगे।

धन्यवाद!
आपका आज्ञाकारी,
मनीष

मनीष शर्मा,
(विद्यार्थी प्रतिनिधि)
९वीं कक्षा,
शैलेन्द्र विद्यालय,
रावलपाड़ा,
दादर।
manishsharma@gmail.com

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 35

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: भारत में धर्म, जाति, संस्कृति आदि की विविधता पाई जाती है। इसके बावजूद भी सभी भारतीयों में एकता की भावना अधिक बलवती है। विविधता में एकता यह हमारी पहचान है। हमें अपनी इस पहचान को बनाए रखते हुए प्रेम, सहयोग व सद्भावना से आपस में मिलजुलकर रहना चाहिए।

स्वयं अध्ययन [PAGE 35]

स्वयं अध्ययन | Q 1 | Page 35

'नफरत से नफरत बढ़ती है और स्नेह से स्नेह बढ़ता है', इस तथ्य से संबंधित अपने विचार लिखो।
Solution: व्यक्ति का व्यवहार यह सुनिश्चित करता है कि उसके साथ दूसरे व्यक्ति किस तरह का व्यवहार करें। यदि कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से प्रेमपूर्वक व्यवहार करता है, तो निश्चित तौर पर उस व्यवहार के बदले सामने वाला भी उसके साथ प्रेमपूर्वक ही पेश आएगा। इसके विपरीत यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के प्रति नफरत या द्वेष की भावना रखता है और उसी प्रकार का व्यवहार करता है, तो बदले में उस व्यक्ति को भी नफरत व द्वेष ही मिलेगा। निष्कर्ष यह है कि यदि हम नफरत करते हैं, तो सामने वाला व्यक्ति भी हमसे नफरत करेगा और यदि हम किसी से प्यार करते हैं, तो वह भी हमारे व्यवहार को देखकर हमें प्रेम ही देगा। अत: हमें सभी से प्रेमपूर्वक ही व्यवहार करना चाहिए।